भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर ने सतत विकास और सीएसआर पहल को मजबूत करने के लिए ओडिशा सीएसआर फोरम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भुवनेश्वर, **26 मई 2026:** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर ने पूरे ओडिशा में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर), स्थिरता, सामुदायिक विकास और क्षमता निर्माण पहल के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ओडिशा सीएसआर फोरम के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रो. श्रीपाद कर्मलकर, निदेशक, आईआईटी भुवनेश्वर और श्री ब्रजेंद्र कुमार मिश्रा, संयोजक, ओडिशा सीएसआर फोरम के बीच औपचारिक रूप से समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान प्रो. दिनाकर पासला, डीन (प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श) और प्रो. आशीष विश्वास, डीन (पूर्व छात्र, कॉर्पोरेट और अंतर्राष्ट्रीय संबंध) की उपस्थिति में किया गया; आईआईटी भुवनेश्वर से श्री प्रदीप कुमार साहू, उप रजिस्ट्रार (पूर्व छात्र, कॉर्पोरेट और अंतर्राष्ट्रीय संबंध) और श्री टी.सी. ओडिशा सीएसआर फोरम से होता।

इस साझेदारी का उद्देश्य आईआईटी भुवनेश्वर की शैक्षणिक और अनुसंधान शक्तियों को ओडिशा सीएसआर फोरम के उद्योग और सीएसआर विशेषज्ञता के साथ जोड़कर सतत विकास और सामाजिक प्रभाव गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक सहयोगी ढांचा तैयार करना है।

सहयोग के हिस्से के रूप में, दोनों संगठन संयुक्त रूप से सीएसआर रणनीति, स्थिरता रिपोर्टिंग, ईएसजी, कौशल विकास और सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार, सम्मेलन, सीएसआर सम्मेलन, हितधारक परामर्श और परामर्श कार्य करेंगे। एमओयू में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, आजीविका, ग्रामीण विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में परियोजनाओं के संयुक्त कार्यान्वयन की भी परिकल्पना की गई है। यह समझौता सीएसआर पहल और आउटरीच कार्यक्रमों में स्वयंसेवी भागीदारी के माध्यम से छात्र और युवाओं की भागीदारी पर जोर देता है, साथ ही मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और फेलोशिप का भी समर्थन करता है।

सहयोग पर बोलते हुए, दोनों संस्थानों के अधिकारियों ने उभरती सामाजिक और विकासात्मक चुनौतियों के समाधान में बहु-हितधारक भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। इस सहयोग से सीएसआर के नेतृत्व वाली सामुदायिक विकास पहल को मजबूत करने और पूरे ओडिशा में ज्ञान-साझाकरण और प्रभावशाली हस्तक्षेप के लिए एक मंच तैयार करने की उम्मीद है।